ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 31-12-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-31 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-01	2025-01-02	2025-01-03	2025-01-04	2025-01-05
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	16.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	11.0	11.0	11.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	4	4	3	3
पवन दिशा (डिग्री)	340	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	2	2	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (24 से 30 दिसंबर) में 5.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 19.0 से 25.0 डिग्री सेल्सियस और 6.5 से 13.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान कुछ दिन बादल छाए रहे। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 73 से 95% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 38 से 84% के बीच रही। हवा की गति 0.8 से 7.4 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा उत्तर, पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम थी। आगामी 5 दिनों में बारिश न होने का पूर्वानुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस और 11.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 3-4 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर उत्तर-पश्चिम और उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेंगी। 31 दिसंबर से 04 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 31 दिसंबर को कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा छाने की संभावना को लेकर पीली चेतावनी दी गई है।।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और आकाशीय बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी एप गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड की जा सकती है। एनडीवीआई कम्पोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली बड़े पैमाने पर अधिक वर्षा तथा सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति इंगित करती है ।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, ठंड और कोहरे के साथ शुष्क मौसम की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेती के कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फलियाँ बनने के समय सिंचाई की आवश्यकता होती है जिसे पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फलियाँ बनने के समय सिंचाई की आवश्यकता होती है जिसे पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
रेपसीड	फूल आने और फली बनने की अवस्था में देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीट होने की स्थिति में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी @500 मिली लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी @100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए। सितम्बर में बोई गई फसल में जब 75% फलियाँ सुनहरे रंग की हो जाएँ तब फसल की कटाई करें।सभी कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
सरसों	फूल आने और फली बनने की अवस्था में देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। रोग/कीट होने की स्थिति में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी @500 मिली लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी @100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए। सितम्बर में बोई गई फसल में जब 75% फलियाँ सुनहरे रंग की हो जाएँ तब फसल की कटाई करें।सभी कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
गेहूँ	गेहूं की देर से बुवाई करने से पकने की अवस्था के दौरान होने वाली गर्मी के तनाव की स्थिति के कारण उपज कम हो जाती है। आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
जौ	फसल में निराई और गुड़ाई के संचालन के साथ नियमित निगरानी की जानी चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
गन्ना	पाले की स्थिति में फसल की नियमित निगरानी और सिंचाई की आवश्यकता होती है। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में लीफ स्पॉट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी का छिड़काव 2-3 बार करना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
प्याज	प्याज की रोपाई 15 जनवरी तक पूरी कर ली जानी चाहिए। लाइन से लाइन और पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 15 और 10 सेमी होनी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
सब्जी पीईए	निराई-गुड़ाई के साथ-साथ तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोगों का पालन किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
टमाटर	फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
मिर्च	फसल में रोग फैलाने वाले कीड़ों की जाँच की जानी चाहिए और तदनुसार नियंत्रित किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
आलू	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
आम	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने को 40 सेमी ऊंचाई तक बारीक मिट्टी की परत से ढक देना चाहिए। पेड़ के तने को 400 गेज मोटी पॉलिथीन की 25 सेमी चौड़ी पट्टी से लपेटकर मजबूत रस्सी (सुतली) की मदद से बांध देना चाहिए। इसके साथ ही घुन को चढ़ने से बचाने के लिए निचले हिस्से में ग्रीस अवश्य लगाना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए।